भारत सरकार

रेल मंत्रालय

लोक सभा

05.08.2026 के

अतारांकित प्रश्न सं. 2838 का उत्तर

डालिमगांव रेलवे स्टेशन का विकास

2838. श्री कार्तिक चन्द्र पॉल:

क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) पश्चिम बंगाल के डालिमगांव रेलवे स्टेशन पर विकास और आधुनिकीकरण परियोजनाओं की वर्तमान स्थिति क्या है;

(ख) क्या सरकार डालिमगांव में रेल की नई रेल पटरी बिछाने की प्रगति के संबंध में अद्यतन जानकारी प्रदान करेगी और इसके पूरा होने के लिए निर्धारित अनुमानित समय-सीमा क्या है तथा यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(ग) डालिमगांव रेलवे स्टेशन के विकास तथा रेल की नई पटरी बिछाने के लिए अब तक आवंटित और उपयोग की गई निधि का ब्यौरा क्या है?

उत्तर

रेल, सूचना और प्रसारण एवं इलेक्ट्रोनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री

(श्री अश्विनी वैष्णव)

(क) से (ग) पश्चिम बंगाल में स्थित दालिमगांव स्टेशन पर उच्च स्तरीय प्लेटफॉर्म, प्रतीक्षालय, बैठने की व्यवस्था, पेयजल व्यवस्था, पार्किंग, परिचलन क्षेत्र आदि जैसी सुविधाएं उपलब्ध हैं।

भारतीय रेल पर स्टेशनों का विकास/पुनर्विकास/उन्नयन/आधुनिकीकरण एक सतत एवं निरंतर चलने वाली प्रक्रिया है तथा इस संबंध में कार्य अंतर-प्राथमिकता तथा निधियों की उपलब्धता के अध्यधीन आवश्यकता के अनुसार किए जाते हैं। किसी स्टेशन का विकास/पुनर्विकास/उन्नयन/

आधुनिकीकरण स्टेशन की श्रेणी, उसकी स्थिति तथा वहाँ संभाले जाने वाले यातायात के आधार पर किया जाता है।

रेल मंत्रालय ने दीर्घकालिक दृष्टिकोण के साथ रेलवे स्टेशनों के पुनर्विकास हेतु अमृत भारत स्टेशन योजना शुरू की है।

इस योजना में भारतीय रेल के रेलवे स्टेशनों को बेहतर बनाने के लिए मास्टर प्लान तैयार करना और चरणबद्ध रूप में उनका कार्यान्वयन करना शामिल हैं। मास्टर प्लान बनाने में प्रत्येक स्टेशन की आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए निम्नलिखित कार्य शामिल किए गए हैं:

- रेलवे स्टेशन और परिचलन क्षेत्रों तक पहुँच में सुधार
- रेलवे स्टेशन का शहर के दोनों भागों के साथ एकीकरण
- रेलवे स्टेशन भवन में सुधार
- प्रतीक्षालय, शौचालय, बैठने की व्यवस्था, वाटर-बूथों में सुधार
- यात्री यातायात के अनुरूप चौड़े ऊपरी पैदल पुल/भूमिगत पैदल पार पथ का प्रावधान
- लिफ्ट/एस्केलेटर/रैम्प का प्रावधान
- प्लेटफ़ॉर्म की सतह में सुधार/प्लेटफ़ॉर्म शेल्टर का प्रावधान
- 'एक स्टेशन एक उत्पाद' जैसी योजनाओं के माध्यम से स्थानीय उत्पादों के लिए कियोस्क का प्रावधान
- पार्किंग क्षेत्र का विकास
- दिव्यांगजनों के लिए सुविधाएँ
- बेहतर यात्री सूचना प्रणाली
- एयर कॉनकोर्स, एक्ज़ीक्यूटिव लाउंज, मल्टी मॉडल एकीकरण, भुसुदर्शनीकरण आदि की व्यवस्था।

इस योजना में आवश्यकता, चरणबद्धता और व्यवहार्यता के अनुसार संवहनीय और पर्यायवरण अनुकूल समाधानों आदि तथा दीर्घकालिक आधार पर स्टेशन पर सिटी सेंटर के निर्माण की परिकल्पना की गई है।

अब तक, अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत विकास के लिए 1340 रेलवे स्टेशनों को चिह्नित किया गया है, जिनमें से 102 स्टेशन पश्चिम बंगाल में स्थित हैं। पश्चिम बंगाल में

अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत विकास के लिए चिह्नित किए गए स्टेशनों के नाम निम्नलिखित हैं:

राज्य	स्टेशनों की संख्या	स्टेशनों के नाम
पश्चिम बंगाल	102	आद्रा, अलीपुरद्वार जं., अलुआबारी रोड, अंबिका कालना, अनारा, अण्डाल जं., अंदुल, आसनसोल जं., अजीमगंज, बगनान, बल्ली, बालुरघाट, बंदेलजं., बनगांव जं., बांकुरा, बाराभूम, बारासात, बर्धमान, बैरकपुर, बेल्दा, बरहामपुर कोर्ट, बेथुयादाहारी, भालुका रोड, बिन्नागुड़ी, बिष्णुपुर, बोलपुर शांतिनिकेतन, बर्नपुर, कैनिंग, चंदन नगर, चांदपारा, चंद्रकोना रोड, दलगांव, दलखोला, दनकुनी, धुलियन गंगा, धुपगुड़ी, दीघा, दिनहाटा, दमदम जं., फालाकाटा, गरबेटा, गेडे, हल्दिया, हल्दीबाड़ी, हरिश्चंद्रपुर, हासीमारा, हिजली, हावड़ा जं., जलपाईगुड़ी, जलपाईगुड़ी रोड, जंगीपुर रोड, झालिदा, झारग्राम, जॉयचंडी पहाड़ जं., कालियागंज, कल्याणी, कल्याणी घोषपारा, कामाख्यागुड़ी, कटवा जंक्शन, खगराघाट रोड, खड़गपुर जंक्शन, कोलकाता, कृष्णनगर सिटी जंक्शन, कुमेदपुर जंक्शन, मधुकुंडा, मध्यमग्राम, मालदा कोर्ट, मालदा टाउन, मेचेदा, मेदिनीपुर (मिदनापुर), नवद्वीप धाम, नैहाटी जंक्शन, न्यू अलीपुरद्वार, न्यू कूच बिहार, न्यू फरक्का जंक्शन, न्यू जलपाईगुड़ी जंक्शन, न्यू माल जंक्शन, ओंडाग्राम, पानागढ़, पांडबेश्वर, पंसकुरा जंक्शन, पुरुलिया जंक्शन, रामपुरहाट जंक्शन, राणाघाट, सैंथिया जंक्शन, सालबोनी,

		समसी, सांतरागाछी, सियालदह, शालीमार, शांतिपुर, श्योरफुली जंक्शन, श्रीरामपुर, सिलीगुड़ी जंक्शन, सीतारामपुर, सिउरी, सोनारपुर जंक्शन, सुईसा, तामलुक, तारकेश्वर, तुलिन, उलुबेरिया

पश्चिम बंगाल के वे स्टेशन जहां कार्य पूरा कर लिया गया है:

पश्चिम बंगाल में अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत रेलवे स्टेशनों पर विकास कार्य तीव्र गति से शुरू किए गए हैं। पश्चिम बंगाल में उन स्टेशनों के नाम जहां कार्य पूरा हो गया है, का विवरण निम्नलिखित है:

राज्य	स्टेशनों की संख्या	स्टेशनों के नाम
पश्चिम बंगाल	13	अनारा, बाराभूम, दीघा, गड़बेता, हल्दिया, हल्दीबाड़ी, जलपाईगुड़ी रोड, जॉयचंडी पहाड़ जं, कल्याणी घोषपाड़ा, कामाख्यागुड़ी, पानागढ़, सिउरी, तामलुक

पश्चिम बंगाल के अन्य स्टेशनों पर भी विकास कार्य तीव्र गति से शुरू किए गए हैं और कुछ स्टेशनों पर कार्यों की प्रगति निम्नानुसार है:

- अलुआबाड़ी रोड स्टेशन: प्लेटफॉर्म संख्या 2 का विस्तार, प्लेटफॉर्म संख्या 1 एवं 2 की प्लेटफॉर्म सतह मे सुधार, परिचलन क्षेत्र, पार्किंग, पहुँच मार्ग तथा चहारदीवारी के कार्य पूरे कर लिए गए हैं। 12.0 मीटर चौड़े पैदल पार पुल, नए स्टेशन भवन ब्लॉक तथा प्लेटफॉर्म शेल्टर के सुधार के कार्य शुरू कर दिए गए हैं।

- आसनसोल जंक्शन स्टेशन: नए स्टेशन भवन ब्लॉक (दक्षिण विंग-4 और उत्तर विंग-1, 2 एवं 3) के संरचनात्मक कार्य पूरे कर लिए गए हैं। नए स्टेशन भवन ब्लॉक (दक्षिण विंग-3) के संरचनात्मक कार्य, 6 मीटर चौड़े पैदल उपरिगामी पुल के विस्तार तथा एयर कॉन्कोर्स के कार्य शुरू कर दिए गए हैं।

- **डालखोला स्टेशन: स्टेशन भवन का सुधार, प्लेटफॉर्म संख्या 1, 2 एवं 3 की प्लेटफॉर्म सतह में सुधार, प्लेटफॉर्म शेल्टर तथा 12 मीटर चौड़े पैदल पार पुल के कार्य पूरे कर लिए गए हैं। लिफ्टों, परिचलन क्षेत्र तथा पहुँच मार्ग के सुधार कार्य शुरू कर दिए गए हैं।**

- **कालियागंज: 12 मीटर चौड़े पैदल पार पुल, लिफ्टों, प्लेटफॉर्म संख्या 1 के विस्तार एवं ऊँचाई बढ़ाने, प्लेटफॉर्म शेल्टर का सुधार कार्य, प्लेटफॉर्म सतह में सुधार, प्लेटफॉर्म संख्या 2 पर पीछे की दीवार का सुधार कार्य, शौचालय ब्लॉक तथा नए प्रतीक्षालय ब्लॉक के कार्य पूरे कर लिए गए हैं। स्टेशन भवन, परिचलन क्षेत्र तथा चहारदीवारी के सुधार कार्य शुरू कर दिए गए हैं।**

- **न्यू जलपाईगुड़ी जंक्शन स्टेशन: द्वितीय प्रवेश द्वार पर नए स्टेशन भवन, रेल डाक सेवा कार्यालय भवन तथा नए प्रस्थान स्टेशन भवन को चौथी मंजिल तक बढ़ाने के संरचनात्मक कार्य पूरे कर लिए गए हैं। मुख्य प्रवेश द्वार पर नए आगमन स्टेशन भवन के संरचनात्मक कार्य, नए प्रस्थान स्टेशन भवन की पाँचवीं एवं छठी मंजिल के संरचनात्मक कार्य, पोडियम पार्किंग, एलिवेटेड सड़क तथा एयर कॉन्कोर्स के कार्य शुरू कर दिए गए हैं।**

रेलवे स्टेशनों का विकास/उन्नयन जटिल प्रकृति के कार्य हैं, जिनमें यात्रियों और गाड़ियों की संरक्षा शामिल है और इसके लिए विभिन्न सांविधिक स्वीकृतियाँ जैसे पेड़ों की कटाई, धरोहर, अग्निशमन विभाग की स्वीकृति, विमानपत्तन संबंधी स्वीकृतियां आदि अपेक्षित होती हैं। ये स्टेशन लंबे समय से परिचालन में हैं, अतः ब्राउनफील्ड कार्य चुनौतियों जैसे जनोपयोगी सुविधाओं का स्थानांतरण (जिनमें पानी/सीवेज की लाइनें, ऑप्टिकल फाइबर केबल, गैस पाइपलाइन, पावर/सिगनल केबल आदि शामिल हैं), अतिलंघन, यात्री संचलन को बाधित किए बिना गाड़ियों का परिचालन, रेलपथ और उच्च वोल्टेज बिजली की लाइन के निकट किए जा रहे कार्यों के कारण गति प्रतिबंध आदि का सामना किया जा रहा है तथा ये कारक कार्य की प्रगति और समापन समय को प्रभावित करते हैं।

सामान्यतः, अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत आने वाले स्टेशनों के विकास/उन्नयन/आधुनिकीकरण के कार्य योजना शीर्ष-53 'ग्राहक सुविधाएँ' के अंतर्गत वित्तपोषित किए जाते हैं। योजना शीर्ष-53 के अंतर्गत आबंटन का विवरण क्षेत्रीय रेलवे-वार रखा जाता है और न कि स्टेशन-वार या राज्य-वार। पश्चिम बंगाल राज्य चार रेलवे जोन अर्थात्, पूर्व रेलवे,

पूर्वोत्तर सीमा रेलवे, दक्षिण पूर्व रेलवे और मेट्रो रेलवे के अधिकार क्षेत्र में आता है। इन जोनों के लिए, वित्त वर्ष 2026-27 के लिए 1231 करोड़ रु. का आबंटन किया गया है, जिसमें से अब तक (जून, 2026 तक) 471 करोड़ रु. का व्यय उपगत किया गया है।

कालियागंज रेलवे स्टेशन दालिमगांव रेलवे स्टेशन के निकट स्थित है। कालियागंज-बुनियादपुर नई रेल लाइन परियोजना की स्थिति निम्नानुसार है:

कालियागंज-बुनियादपुर नई रेल लाइन परियोजना को ₹1,147 करोड़ की लागत से स्वीकृत किया गया है, जिस पर मार्च, 2025 तक ₹38 करोड़ का व्यय किया जा चुका है। वर्ष 2025-26 के लिए ₹128 करोड़ का परिव्यय निर्धारित किया गया है। इस परियोजना के लिए कुल 168 हेक्टेयर भूमि अधिगृहित की जानी है तथा भूमि अधिग्रहण का कार्य शुरू कर दिया गया है।

******